कॉलेजों में कांट्रैक्ट शिक्षक नहीं होंगे रेगुलर

अमर उजाला ब्यूरो

चंडीगढ़। यूटी प्रशासन की ओर से सरकारी कॉलेजों में कांट्रैक्ट पर नियुक्त किए गए शिक्षकों को नियमित करने के प्रस्ताव को रद्द कर दिया गया है। उच्च शिक्षा विभाग ने सरकारी कॉलेजों में कांट्रैक्ट पर काम कर रहे 300 से ज्यादा शिक्षकों को नियमित करने का प्रस्ताव उच्च अधिकारियों को भेजा था।

कॉलेजों में कांट्रैक्ट पर रखे गए शिक्षक लगभग चार साल पहले मेरिट पर चयनित हुए थे और प्रशासन ने शिक्षकों की भर्ती प्रक्रिया को पूरी तरह से पारदर्शी बनाया था। यह शिक्षक चार साल से लगातार बिना किसी ब्रेक के काम कर रहे हैं और लंबे समय से नियमित करने की मांग कर रहे हैं। ध्यान रहें कि चार साल पहले तक हर साल सरकारी कॉलेजों में कांट्रैक्ट पर शिक्षक नियुक्त होते थे, लेकिन कैट के निर्देश के बाद अब पिछले चार सालों से यह शिक्षक काम कर रहे हैं। उन्हें अब शिक्षा सत्र के समाप्त होने पर रिलीव नहीं किया जाता है।

शहर के सरकारी कालेजों में शिक्षकों के करीब 300 पद खाली हैं। शहर के सरकारी कॉलेजों में लगभग सात साल से नियमित शिक्षकों की नियुक्ति नहीं हुई है और इन खाली पदों पर कांट्रैक्ट पर शिक्षक नियुक्त हैं। चंडीगढ़ प्रशासन के लंबे संघर्ष के बाद कॉलेजों में नियमित शिक्षकों की नियुक्ति की प्रक्रिया को पिछले साल

- सरकारी कॉलेजों के कांट्रैक्ट शिक्षकों को नियमित करने का प्रस्ताव रद्द
- तीन सौ से अधिक शिक्षकों की टूटी आस

पेंशन स्कीम के दायरे में आएंगे कर्मचारी

चंडीगढ़ प्रशासन की ओर से कांट्रैक्ट पर नियुक्त हुए कर्मचारियों को भी नई पेंशन स्कीम के दायरे में लाया जाएगा। प्रशासन का मानना है कि अगर इन कर्मचारियों के लिए अभी से पेंशन योजना शुरू कर दी जाती है तो इससे भविष्य में प्रशासन के साथ-साथ कर्मचारियों के लिए भी आसानी हो जाएगी। कर्मचारी हर महीने बचत कर पाएंगे।

संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) ने मंजूरी दी थी और यूपीएससी ने जून, 2013 में चंडीगढ़ के पांच सरकारी कॉलेजों में 39 शिक्षकों की भर्ती के लिए योग्य उम्मीदवारों से आवेदन मांग थे।

हालांकि अभी तक यूपीएससी ने इस पदों के लिए इंटरव्यू नहीं लिए हैं। पहले चरण में 39 शिक्षकों की नियुक्ति के बाद यूपीएससी की ओर से दूसरे चरण में 40 शिक्षकों की नियुक्ति के लिए आवेदन मंगाने थे। लेकिन, 40 शिक्षकों की नियुक्ति के लिए भी आवेदन अभी तक नहीं मंगवाए गए हैं।